EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter)
Patron: Prof. R. G. Kothari
Chief Editor: Prof. Jignesh B. Patel
Email:- Mo. 9429429550 ctefeduinspire@gmail.com

"मूल्य शिक्षा एवं रंगमंच "

जयपालसिंह धनसिह परमार
प्र. प्राचार्य.
I/C PRINCIPAL, MAULANA ABUL KALAM AZAD MARATHI
B.ED.COLLEGE,DHAD,DIST.BULDHANA.(MAHARASHTRA)

प्रस्तावना

शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि उनमें नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा मानवीय मूल्यों का विकास करना भी है। आज के समय में विज्ञान और तकनीक के तीव्र विकास के साथ-साथ समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास भी देखने को मिल रहा है। ऐसे समय में **मूल्य शिक्षा** का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। मूल्य शिक्षा विद्यार्थियों में सत्य, ईमानदारी, अनुशासन, सहिष्णुता, सहयोग, प्रेम, करुणा, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रभक्ति जैसे गुणों का विकास करती है। इसी प्रकार **रंगमंच (Theatre)** शिक्षा का एक प्रभावशाली माध्यम है। रंगमंच केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक परिवर्तन का सशक्त उपकरण भी है। जब मूल्य शिक्षा को रंगमंच के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है, तब विद्यार्थी केवल सुनते नहीं बल्कि स्वयं अनुभव करते हैं। इसलिए मूल्य शिक्षा और रंगमंच का संबंध अत्यंत घनिष्ठ है।

मूल्य शिक्षा का अर्थ

मूल्य शिक्षा वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति के चरित्र, नैतिकता, सामाजिक व्यवहार और जीवन दृष्टि का विकास किया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल अच्छे अंक प्राप्त करने योग्य बनाना नहीं, बल्कि उन्हें अच्छा नागरिक और श्रेष्ठ मानव बनाना है।

मूल्य शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य

विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास करना।
सत्य, अहिंसा, ईमानदारी एवं अनुशासन की भावना उत्पन्न करना।
सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सहयोग की भावना विकसित करना।
लोकतांत्रिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना।
पर्यावरण संरक्षण एवं मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना।
जीवन की समस्याओं का नैतिक समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना।

रंगमंच का अर्थ

रंगमंच वह कला है जिसमें अभिनय, संवाद, संगीत, नृत्य, भाव-भंगिमा और दृश्य प्रस्तुति के माध्यम से किसी विचार, घटना या संदेश को दर्शकों तक पहुँचाया जाता है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में नाटक, एकांकी, लोकनाट्य, नुक्कड़ नाटक तथा भूमिका-अभिनय जैसी गतिविधियाँ रंगमंच का ही स्वरूप हैं।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

शिक्षा में रंगमंच का महत्व

रंगमंच विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने का अवसर देता है। इसके माध्यम से वे केवल पाठ्य सामग्री नहीं सीखते, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व, संप्रेषण कौशल, टीमवर्क, रचनात्मकता तथा समस्या समाधान की क्षमता भी विकसित करते हैं।

रंगमंच के प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं—

आत्मविश्वास में वृद्धि।

भाषा एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास।

कल्पनाशक्ति एवं रचनात्मकता का विकास।

नेतृत्व एवं सहयोग की भावना का निर्माण।

सामाजिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता।

व्यक्तित्व का समग्र विकास।

मूल्य शिक्षा में रंगमंच की भूमिका

रंगमंच मूल्य शिक्षा का अत्यंत प्रभावी माध्यम है क्योंकि इसमें विद्यार्थी स्वयं पात्र बनकर विभिन्न परिस्थितियों का अनुभव करते हैं। अभिनय के दौरान वे केवल संवाद नहीं बोलते, बल्कि उन मूल्यों को जीते भी हैं।

नैतिक मूल्यों का विकास

सत्य, ईमानदारी, करुणा, दया, त्याग, सेवा और अनुशासन जैसे मूल्यों को नाटकों के माध्यम से सरलता से समझाया जा सकता है।

सहानुभूति एवं संवेदनशीलता का विकास

जब विद्यार्थी किसी गरीब, पीड़ित या संघर्षरत व्यक्ति की भूमिका निभाते हैं, तब उनमें दूसरों के प्रति सहानुभूति और संवेदनशीलता विकसित होती है।

सामाजिक जागरूकता

दहेज प्रथा, बाल विवाह, नशा मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, लैंगिक समानता और शिक्षा का अधिकार जैसे विषयों पर आधारित नाटक समाज में जागरूकता उत्पन्न करते हैं।

लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास

समूह में नाटक तैयार करने से सहयोग,समानता,सहिष्णुता, अनुशासन और सामूहिक निर्णय लेने की भावना विकसित होती है।

आत्म-अनुशासन एवं उत्तरदायित्व

रंगमंच में समय का पालन, संवाद याद करना, अभ्यास करना और अपनी भूमिका का जिम्मेदारी से निर्वहन करना विद्यार्थियों में अनुशासन और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है।

विद्यालयों में मूल्य शिक्षा हेतु रंगमंच का उपयोग

विद्यालयों में निम्नलिखित गतिविधियों के माध्यम से रंगमंच का प्रभावी उपयोग किया जा सकता है—

नैतिक कथाओं पर आधारित नाटक।

भूमिका-अभिनय (Role Play)।

नुक्कड़ नाटक।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

लोकनाट्य।

कठपुतली नाटक।

ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक चरित्रों का मंचन।

राष्ट्रीय पर्वों एवं सामाजिक विषयों पर नाट्य प्रस्तुतियाँ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और रंगमंच

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने अनुभवात्मक शिक्षा, कला-आधारित शिक्षा तथा समग्र विकास पर विशेष बल दिया है। नीति के अनुसार रंगमंच जैसी कला गतिविधियाँ विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक, भावनात्मक एवं नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसलिए विद्यालयों में नाटक, संगीत, चित्रकला एवं अन्य कला गतिविधियों को शिक्षण प्रक्रिया का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए।

रंगमंच के माध्यम से विकसित होने वाले प्रमुख मूल्य

सत्यनिष्ठा

ईमानदारी

अनुशासन

सहयोग

सहिष्णुता

नेतृत्व

आत्मविश्वास

राष्ट्रभक्ति

सामाजिक सेवा

पर्यावरण संरक्षण

मानवता एवं करुणा

लैंगिक समानता

लोकतांत्रिक भावना

Teacher's Welfare is Nation's Welfare
CTEF
Council for Teacher Education Foundation
ESTD: 1985

चुनौतियाँ

यद्यपि रंगमंच अत्यंत प्रभावशाली माध्यम है, फिर भी इसके सामने कुछ चुनौतियाँ हैं—

विद्यालयों में प्रशिक्षित नाट्य शिक्षकों का अभाव।

समय एवं संसाधनों की कमी।

परीक्षा-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था।

कला गतिविधियों को पर्याप्त महत्व न मिलना।

आर्थिक सीमाएँ एवं मंचीय सुविधाओं का अभाव।

सुझाव

इन चुनौतियों को दूर करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं—

विद्यालयों में नियमित नाट्य गतिविधियाँ आयोजित की जाएँ।

शिक्षकों को रंगमंच आधारित शिक्षण का प्रशिक्षण दिया जाए।

EduInspire-An International E-Journal
An International Peer Reviewed and Referred Journal (www.ctegujarat.org)
Council for Teacher Education Foundation (CTEF, Gujarat Chapter) Email:- ctefeduinspire@gmail.com

प्रत्येक विद्यालय में वार्षिक नाट्य महोत्सव आयोजित किया जाए।

सामाजिक एवं नैतिक विषयों पर आधारित नाटकों को प्रोत्साहन दिया जाए।

स्थानीय लोकनाट्य एवं सांस्कृतिक परंपराओं को शिक्षा से जोड़ा जाए।

विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

उपसंहार

मूल्य शिक्षा और रंगमंच दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। जहाँ मूल्य शिक्षा विद्यार्थियों को नैतिक और आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा देती है, वहीं रंगमंच उन मूल्यों को व्यवहार में उतारने का प्रभावी अवसर प्रदान करता है। नाटक के माध्यम से सीखे गए मूल्य विद्यार्थियों के मन पर स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं और उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील तथा आदर्श नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में यह आवश्यक है कि विद्यालयों और महाविद्यालयों में रंगमंच को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया जाए, ताकि ज्ञान के साथ-साथ चरित्र निर्माण भी हो सके। वास्तव में, रंगमंच के माध्यम से दी गई मूल्य शिक्षा ही एक सशक्त, संस्कारित और मानवीय समाज के निर्माण की आधारशिला है।

Teacher's Welfare is Nation's Welfare
CTEF
Council for Teacher Education Foundation
ESTD. 1985